

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 4 और 6 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 5 में किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 9 और 12 में किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए। प्रश्न 13 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1.

'विज्ञान वरदान है या अभिशाप' विषय पर तो सदियों से विमर्श होता रहा है और पिछले कुछ वर्षों से स्मार्टफोन के फायदे या नुकसान पर भी वाद-विवाद चल रहा है। इस विषय पर अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता क्योंकि इसके भी दो पहलू हैं। एक तरफ स्मार्टफोन के कारण लोगों की जिंदगी में आए सकारात्मक बदलाव से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन इसके नकारात्मक प्रभाव का प्रत्यक्ष अनुभव भी किया जा सकता है। यकीनन हमारी जिंदगी में स्मार्टफोन से हर बदलाव सकारात्मक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से सोशल मीडिया ने आम लोगों को गिरफ्त में लिया, वह चिंता की बात है। शुरुआत में सोशल मीडिया का ऐप लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने और सूचनाओं के आदान-प्रदान के बेहतरीन माध्यम के रूप में उभरे और कम समय में दुनिया भर में छा गए। लेकिन यह बात भी सामने आई कि लाखों लोगों को सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में रहने की इस कदर लत लगी कि वे न सिर्फ अपने सामान्य सामाजिक जीवन से कटने लगे, बल्कि रोज घंटों इस माध्यम पर समय बिताने के कारण अवसाद का शिकार भी होने लगे। एक शोध के अनुसार आज दुनिया भर में अरबों लोग हर दिन सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और भी बढ़ने का अनुमान है। सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग करने वालों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग शामिल हैं लेकिन सबसे बुरा असर किशोरों पर देखा गया है, जो सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा जुड़े रहते हैं। इसके माध्यम से रातोंरात स्टारडम और पैसे हासिल करने की आकांक्षा ने ऐसी आत्ममुग्ध पीढ़ी को जन्म दिया है जो सोशल मीडिया पर अधिक-से-अधिक "लाइक्स" मिलने की चाह में कुछ भी कर गुजरने को तैयार है। इनमें से कई मन मुताबिक 'लाइक्स' न मिलने से हताश होकर अवसाद के शिकार हो जाते हैं। यह ऐसी समस्या है जो दिनोंदिन बढ़ रही है। नजदीकी समय में तो इसका निदान दिखाई नहीं दे रहा है। बस यह हो सकता है कि इसके अतिशय उपयोग से बचा जाए और आभासी दुनिया के छलावे को असल जिंदगी पर हावी न होने दिया जाए।

1(i).

गद्यांश के आधार पर यह कहा जा सकता है कि:

- | | |
|---|--|
| (A) सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से सामाजिक संबंध मज़बूत हुए हैं। | (B) आज दुनिया का हर आदमी हर दिन सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहा है। |
| (C) युवाओं पर सोशल मीडिया का सकारात्मक से अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। | (D) सोशल मीडिया बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत करने का उत्तम साधन है। |

1(ii).

सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों में क्या शामिल नहीं है?

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (A) मानसिक तनाव | (B) हताशा और अवसाद |
| (C) अकेलापन | (D) रचनात्मक विकास |

1(iii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: सोशल मीडिया पर 'लाइक्स' की होड़ युवाओं में मानसिक तनाव का कारण है। कारण: अपेक्षित 'लाइक्स' न मिलने पर व्यक्ति स्वयं को दूसरों से कमतर महसूस करता है।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

1(iv).

सोशल मीडिया की बढ़ती लत ने सामाजिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया है?

1(v).

'सोशल मीडिया एक साधन है, साध्य नहीं।' गद्यांश के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

1(vi).

सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

1(vii).

'आभासी दुनिया' से क्या तात्पर्य है?

2.

आदतें अक्सर बहुत बुरी शासक होती हैं लगभग तानाशाह अपने गुलाम को लगभग पालतू जानवर की तरह बाँधे रखती हैं हर वक्त अच्छी आदतों के बनिस्बत बुरी आदतें बहुत देर तक पीछा करती हैं आदमी का आदमी कुछ लतें तो इसलिए पाल लेता है कि वह अलग दिखना चाहता है सब से जब तेजी से व्यावसायिक होने लगती हैं चीज़ें तो नई आदतें प्रवेश करती हैं समाज में लोग कुहनी उठाकर चलने लगते हैं अचानक कुहनी से धकियाते हुए वे निकल जाना चाहते हैं एक-दूसरे से आगे अच्छी आदतें अक्सर बहुत डरपोक होती हैं और अक्सर अपने बिल खोद कर रखती हैं अच्छी आदतें कई बार जिद बन जाती हैं और ऐसे लोगों को अव्यावहारिक माना जाता है कामकाजी समाज में इतनी आकर्षक होती हैं अक्सर आदतें कि सबसे ताकतवर तर्क जुटाए जाते हैं उनके बारे में आदमी अक्सर सोचता है अपनी आदतों के बारे में जबकि जानवर उन्हें सिर्फ दोहराते हैं।

2(i).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: आदतें अक्सर बहुत बुरी शासक होती हैं। कारण: आदतें मनुष्य को अपना गुलाम बना लेती हैं। उस पर राज करती हैं। उसे इच्छानुसार नचाती हैं।

- | | |
|------------------------------------|---|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

2(ii).

'आदतें बहुत देर तक पीछा करती हैं आदमी का' - से अभिप्राय है:

- | | |
|--|--|
| (A) आदतों को आदमी बहुत समय तक छोड़ना नहीं चाहता। | (B) आदतें आदमी को कहीं भी चैन से नहीं रहने देती। |
| (C) आदतों को छोड़ने/बदलने में बहुत समय लगता है। | (D) आदतों का आदमी अभ्यस्त हो जाता है। |

2(iii).

गद्यांश के अनुसार समाज में ऐसे लोगों को अव्यावहारिक माना जाता है, जो:

- | | |
|---|--|
| (A) आधुनिक जीवन शैली के अनुरूप न रहता हो। | (B) अपनी अच्छी या बुरी आदतों पर जीने वाला हो। |
| (C) समयानुसार आचार-विचार में परिवर्तन न ला सके। | (D) भौतिक सुख-सुविधा के साधनों को व्यर्थ समझता हो। |

2(iv).

'आदत' से क्या आशय है?

2(v).

आदतों के संदर्भ में मनुष्य और पशु में क्या अंतर है?

2(vi).

'कुहनी से धकियाना' किसका सूचक है? लोग एक-दूसरे को कुहनी क्यों मारने लगते हैं?

3.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) 'कविता के समस्त घटक परिवेश और विषय से संचालित होते हैं।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (ii) "नाटक सामाजिक समस्याओं के चित्रण का सबसे प्रभावी और सशक्त माध्यम है।" इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (iii) कहानी और नाटक में समानता और भिन्नता के प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

4(i).

विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है? इसके प्रमुख क्षेत्र कौन-कौन-से हैं? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द)

4(ii).

संपादकीय और लेख में अंतर स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द)

4(iii).

समाचार लेखन की बुनियादी और मानक शैली कौन-सी है? उसकी विशेषताएँ लिखिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द)

5.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) 'इंटरनेट अंतरक्रियात्मकता और सूचनाओं के विशाल भंडार का अनूठा माध्यम है।' टिप्पणी कीजिए। (ii) विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से किन रूपों में भिन्न है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (iii) समाचार-पत्रों में विचारपरक लेखन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। इसके अंतर्गत किस प्रकार के लेखन को शामिल किया जाता है? उदाहरण सहित लिखिए।

6.

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: (i) मेरी खिड़की से दिखता पेड़ (ii) पुस्तक मेले में एक दिन (iii) लुप्त होते पारंपरिक खेल

निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: श्रमित स्वप्न की मधुमाया में, गहन-विपिन की तरु-छाया में, पथिक उनींदी श्रुति में किसने - यह विहाग की तान उठाई। लगी सतृष्ण दीठ थी सबकी, रही बचाए फिरती कबकी, मेरी आशा आह ! बावली, तूने खो दी सकल कमाई।

OR

7(a).

7(b).

सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू। मोर अभाग उदधि अवगाहू॥ बिनु समुझें निज अघ परिपाकू। जारिउँ जायँ जननि कहि काकू॥ हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा। एकहि भाँति भलेहिं भल मोरा॥ गुर गोसाई साहिब सिय रामू। लागत मोहि नीक परिनामू॥

8.

तरिवर झरै झरै बन ढँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा॥ करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू॥ फाग करहिं सब चाँचरि जोरी। मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी॥ जौ पै पियहि जरत अस भावा। जरत मरत मोहि रोस न आवा॥ रातिहु देवस इहै मन मोरे। लागौं कंत छार जेऊँ तोरे॥ यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ। मुकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरै जहँ पाउ॥

8(i).

वृक्षों की शाखाओं का पुराने पत्तों से रहित हो जाना, ढाक के जंगलों का पत्रविहीन हो जाना - नागमती का यह कथन किस मास के संदर्भ में है?

- | | |
|----------|-----------|
| (A) अगहन | (B) फागुन |
| (C) पौष | (D) माघ |

8(ii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: नागमती के हृदय में अपने पति के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण का भाव है। कारण: स्वयं को मिटा कर भी प्रिय के पास पहुँच जाना ही उसका अभीष्ट है।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

8(iii).

कविता के आधार पर सही विकल्पों का चयन कर लिखिए: I. चारों ओर उल्लास का वातावरण है किंतु नागमती का जीवन उदासी से भरा हुआ है। II. पति के न होने के कारण वह सखियों के साथ मिलकर चाँचरि खेल रही है। III. पति के प्रेम में जलकर मर जाना उसे सहर्ष स्वीकार्य है।

- | | |
|------------------------|--------------------|
| (A) I, II और III तीनों | (B) केवल I और III |
| (C) केवल I और II | (D) केवल II और III |

8(iv).

नागमती किस रूप में अपने पति का स्पर्श करना चाहती है?

- | | |
|----------------|----------------|
| (A) पक्षी बनकर | (B) बादल बनकर |
| (C) राख बनकर | (D) पतंगा बनकर |

8(v).

प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव है:

- | | |
|--|--|
| (A) राजा रत्नसेन और नागमती के एकनिष्ठ प्रेम का वर्णन | (B) होली के अवसर पर लोगों की प्रसन्नता का वर्णन |
| (C) ऋतुओं के साथ होने वाले प्राकृतिक परिवर्तन का वर्णन | (D) फागुन मास में रानी नागमती की विरह-व्यथा का वर्णन |

9.

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'सरोज-स्मृति' कविता में कवि के जीवन संघर्ष के साथ-साथ उनका सशक्त व्यक्तित्व भी उभरकर सामने आया है। कविता के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (ii) 'तोड़ो' कविता के संदर्भ में 'पत्थर' और 'चट्टान' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि ने किन सामाजिक और व्यक्तिगत बंधनों को तोड़ने का आह्वान किया है। (iii) 'भरत-राम का प्रेम' कविता में निहित जीवन-मूल्यों को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि आधुनिक समय में इसका क्या महत्त्व है?

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: आप कह सकते हैं कि जन्मभर के साथी की चुनावट मट्टी के ठेलों पर छोड़ना कैसी बुद्धिमानी है ! अपनी आँखों से जगह देखकर, अपने हाथ से चुने हुए मट्टी के डगलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों-करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मट्टी और आग के ठेलों - मंगल और शनैश्वर और बृहस्पति - की कल्पित चाल के कल्पित हिसाब का भरोसा करना क्यों अच्छा है, यह मैं क्या कह सकता हूँ ? बकौल वात्स्यायन के, आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से, आज का पैसा अच्छा है कल के मोहर से। आँखों देखा ठेला अच्छा ही होना चाहिए लाखों कोस की तेज पिंड से।

OR

10(a).

10(b).

आरती से पहले स्नान ! हर-हर बहता गंगाजल, निर्मल, नीला, निष्पाप। औरतें डुबकी लगा रही हैं। बस उन्होंने तट पर लगे कुंडों से बँधी जंजीरें पकड़ रखी हैं। पास ही कोई न कोई पंडा जजमानों के कपड़ों-लत्तों की सुरक्षा कर रहा है। हर एक के पास चंदन और सिंदूर की कटोरी है। मर्दों के माथे पर चंदन तिलक और औरतों के माथे पर सिंदूर का टीका लगा देते हैं पंडे। कहीं कोई दादी-बाबा पहला पोता होने की खुशी में आरती करवा रहे हैं, कहीं कोई नई बहू आने की खुशी में। अभी पूरा अँधेरा नहीं घिरा है। गोधूलि बेला है।

11.

एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब-अजीब खयाल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मज़दूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीज़ों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरह-वगैरह। एक दिन उसके दिमाग में खयाल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेजी से हो और मुनाफ़ा कितना ज्यादा। लेकिन यह काम करेगा कौन ? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज़ की दवा ? उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ। मिल मालिक वैज्ञानिकों से नाराज़ हो गया। उसने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और अपने-आप इस काम को पूरा करने के लिए जुट गया। आखिर एक दिन बात उसकी समझ में आ गई। उसने मज़दूरी आधी कर दी और दुगुने मज़दूर नौकर रख लिए।

11(i).

गद्यांश में मिल मालिक किसका प्रतीक है?

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (A) बौद्धिक वर्ग का | (B) पूँजीपति वर्ग का |
| (C) श्रमजीवी वर्ग का | (D) व्यापारी वर्ग का |

11(ii).

मिल मालिक ने वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाह पर नौकरी पर क्यों रखा?

- | | |
|--------------------------------------|--|
| (A) नए-नए शोध और प्रयोग करने के लिए | (B) मज़दूरों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए |
| (C) मज़दूरों को चार हाथ लगाने के लिए | (D) तकनीक की मदद से उत्पादन बढ़ाने के लिए |

11(iii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: मिल मालिक ने वैज्ञानिकों को नौकरी से निकाल दिया। कारण: वैज्ञानिक मिल मालिक के सपने को साकार रूप देने में असफल रहे।

- | | |
|---|------------------------------------|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। | (D) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। |

11(iv).

गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन नहीं है:

- | | |
|---|--|
| (A) पूँजीवादी व्यवस्था में मज़दूरों के शोषण का वर्णन किया गया है। | (B) शोषण आधारित व्यवस्था का पर्दाफ़ाश किया गया है। |
| (C) पूँजीपतियों द्वारा मज़दूरों को पंगु बनाने के तरीकों का वर्णन किया गया है। | (D) पूँजीपतिवर्ग की अहिंसावादी नीतियों का वर्णन किया गया है। |

11(v).

मज़दूर आधी मज़दूरी पर भी काम करने के लिए क्यों तैयार हो गए?

- | | |
|---|--------------------------------------|
| (A) भरण-पोषण की लाचारी के कारण | (B) काम करने के घंटे कम होने के कारण |
| (C) कार्यक्षेत्र में बढ़ती सुविधाओं के कारण | (D) पूँजीपति के बढ़ते भय के कारण |

12.

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) लेखक के पिता का साहित्य के प्रति गहरा अनुराग था। 'प्रेमघन की छाया-स्मृति' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (ii) 'अराफ़ात' का व्यक्तित्व आतिथ्य प्रेम और अंतर्राष्ट्रीय मैत्री एवं सद्भाव की भावना से ओतप्रोत है। 'गांधी, नेहरू और यास्सर अराफ़ात' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (iii) 'कुटज' पाठ के आधार पर लिखिए कि कुटज के किन गुणों के कारण लेखक को उससे ईर्ष्या होती है?

13.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए: (i) "जब तक उसे रोते न देखूँगा, यह काँटा न निकलेगा।" 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ से उद्धृत इस कथन के आलोक में 'भैरों' के चरित्र का वर्णन कीजिए। (ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ केवल एक स्थान विशेष का वर्णन नहीं है बल्कि भारतीय ग्राम्य जीवन की प्रतीकात्मक प्रस्तुति है। इस संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए लिखिए कि इस पाठ से आम पाठक को क्या प्रेरणा मिलती है? (iii) 'अपना मालवा - खाऊ-उजाड़ सभ्यता में' पाठ में लेखक ने मालवा की किन विशेषताओं का वर्णन किया है? आधुनिक भोगवादी संस्कृति उसको किस प्रकार नष्ट करती जा रही है?

- End of Question Paper -